

Title: Need to take immediate steps to solve the demands of the workers of M/s Maruti Udyog Ltd.

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्मल) : अध्यक्ष जी, मारुति उद्योग के मजदूरों और छोटे कर्मचारियों का लगातार गत डेढ़ वर्षों से मारुति उद्योग के प्रबन्धनतन्त्र द्वारा लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। वे अपनी मांगों को लेकर न्याय के लिये संघर्ष कर रहे हैं और इस महीने की 13 तारीख से इस कड़ाके की सर्दी में, खुले आसमान के नीचे, उद्योग भवन के सामने धरना दे रहे हैं। चार मजदूरों ने कल 18.12.200 से ही अनिश्चितकालीन अनशन प्रारंभ किया है। मामूली सी बात थी, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।

अध्यक्ष महोदय, यह समस्या प्रबंधनतंत्र द्वारा समय पर सुलझाई जा सकती थी। कई बार सदन का ध्यान आकर्षित किया गया, परन्तु सरकार ने इस पर गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया। प्रबन्धकतन्त्र लगातार उनका शोण और उत्पीड़न कर रहा है। वहां के कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का सदन के सभी दलों के नेताओं ने, चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के, सभी ने समर्थन किया है। उनके पक्ष में कुछ बातें कही हैं, अखबारों के माध्यम से हमें यह जानकारी मिली है। कुछ विपक्ष के नेताओं ने मिलकर सरकार से बातचीत भी की है लेकिन मालूम नहीं सरकार की क्या जिद है और क्यों सरकार, प्रबन्धकतन्त्र मिलकर इस समस्या का समाधान नहीं करना चाहते हैं और अभी तक इस बारे में सरकार ने बिलकुल गंभीरता नहीं दिखाई है और न ही संवेदनशीलता। उनके द्वारा इस महत्वपूर्ण मामले को बिलकुल गंभीरता से नहीं लिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, प्रति दिन इस सदन में कोई न कोई सवाल या विशेष उल्लेख के रूप में मारुति उद्योग लि.के कर्मचारियों का मामला उठता रहा है, लेकिन सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। इसलिए महोदय अब आपसे ही मेरा निवेदन है कि आप ही हस्तक्षेप कीजिए जिससे मंत्री महोदय सदन में आकर एक वक्तव्य दें और कोई मजदूरों की मांगों का समाधान करें।

अध्यक्ष महोदय, सरकार और मंत्री को जिद नहीं करनी चाहिये। अगर वहां सर्दी में ठिठुरकर किसी मजदूर की मृत्यु हो गई, तो उसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। मालूम नहीं सरकार संवेदनशील क्यों नहीं है। ऐसी कोई बड़ी बात नहीं है जिसका सरकार हल नहीं निकाल सके। यदि सरकार हस्तक्षेप करे, तो सरकार, प्रबन्धनतन्त्र और मजदूर मिलकर समाधान निकाल सकते हैं तथा हड़ताल समाप्त हो सकती है। लेकिन अभी तक इस बारे में कोई प्रयत्न नहीं किए गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान पुनः उनकी मांगों की ओर आकर्षित करते हुए संसदीय कार्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ क्योंकि वे सदन में उपस्थित हैं, वे स्वयं इस बारे में वक्तव्य दें अथवा भारी उद्योग मंत्री जी को सदन में बुलाकर उनसे आज ही अभी वक्तव्य दिलवाएँ जिससे इस समस्या का समाधान हो सके। और यही हमारी मांग है।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, I strongly associate with what has been just now said by Shri Mulayam Singh Yadav. I do not know why should the Government should be so insensitive. Four thousand workers are involved. About 92 workers were either suspended or dismissed. They are forcibly asked to give a good conduct undertaking. I hope, some day, Members of Parliament will also have to give this type of undertaking. But we are more keen about imposing this thing on them. This is a slavery, which is being imposed on the people. Apart from that, of course, there is a denial of certain minimum incentives. They are sitting on *dharna*. Almost all the sections of the House have supported it.

I expected the hon. Minister to be here. Yesterday, he assured that he would be present in the House to respond. Yesterday you said that the matter had not been duly given notice of. But, today, we expected him to be in the House. So, instead of passing on information to the concerned Minister, the hon. Minister of Parliamentary Affairs should take some interest in the affairs of the State.

Sir, what is the difficulty with the Government in accepting these minimum demands? How long will this oppression continue to the working class? The Government is applying ESMA and other atrocious and draconian measures on the working class. We strongly oppose this. I ask the Government to immediately respond to the reasonable demands of the workers of M/s. Maruti Udyog Limited. ...*(Interruptions)*

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मारुति उद्योग के सिलसिले में अभी श्री मुलायम सिंह और सोमनाथ चटर्जी ने जो बात कही है, उसका मैं भी समर्थन करता हूँ। इस मामले को मैं इसलिए जानता हूँ क्योंकि मैं उन कर्मचारियों की मीटिंग में गया था और मैंने उद्योग मंत्री जी से भी इस सिलसिले में बात की थी। मामला केवल यही था कि अगर उद्योग के प्रबंधक लोग उस अंडरटेकिंग्स को वापस ले लें तो वे कर्मचारी वहां काम पर वापिस जाने के लिए तैयार हैं। उद्योग मंत्री ने मुझसे कहा था कि अगर इतने पर ही मामले का हल निकलता है तो वे इसमें कोई सुलह-समझौता करा देंगे लेकिन अचानक मैनेजमेंट के एटीच्यूट में कुछ बदलाव आ गया और उन्होंने उतना भी करना स्वीकार नहीं किया। जैसे अभी सोमनाथ जी ने कहा कि जितने भी कर्मचारी हैं, उन्हें कुछ ट्रेड यूनियन के अधिकार मिले हुए हैं और उन्हें अपमान-जनक तरीके से किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने के लिए विवश करना सही बात नहीं है। मैं चाहूंगा कि उद्योग मंत्री ने जो शुरू में रुख अपनाया था, उसी रुख को मनवाने के लिए वहां के प्रबंधने पर जोर डालना चाहिए और सरकार को इस बारे में आश्वासन देना चाहिए कि कर्मचारियों के जो अधिकार हैं, उनको उनसे वंचित नहीं किया जायेगा। *â€œ*(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Is there anything from the Government side?

...*(Interruptions)*

श्री थावरचन्द गेहलोत (शाजापुर) : अध्यक्ष महोदय, हमने भी नोटिस दिया है। *â€œ*(व्यवधान)

कानून बनने के बाद भी उस पर अमल नहीं हो रहा है। *â€œ*(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम आपको बोलने के लिए बाद में बुलायेंगे।

...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : क्या आपने मारुति उद्योग के संबंध में बोलना है ?

...(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, I want to speak on this issue. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Jaipal Reddy, are you on the same issue?

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Yes, Sir.

Sir, as you know, in the Mauruti Udyog Limited, the Government has 50 per cent equity. The Managing Director is supposed to be the nominee of the Government and the Minister cannot be held to account. ...(*Interruptions*) It is another matter that the Managing Director has been a pliant agent of Suzuki Limited. But, technically, he is supposed to be a nominee of the Government. The Government cannot be privy to unfair and atrocious labour practices. This demand for good conduct certificate is an atrocious labour practice. The Government must come clean on this. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have already called the Minister of Heavy Industries to my Chamber for a discussion on this subject. Please wait for some time.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Minister of Parliamentary Affairs is going to say something about Mauruti Udyog Limited.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, Shri Mohan Rawale, has given a notice on this issue. He may be allowed to speak. ...(*Interruptions*) His notice is there. Many Members who have not given any notices have been speaking. He has at least given a notice....(*Interruptions*)

...(व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष महोदय, मारुति उद्योग के संबंध में जब यहां कार्लिंग अटेंशन पर बहस हुई तब आदरणीय मंत्री महोदय ने मजदूरों के बारे में हमदर्दी जताई थी लेकिन उसका कोई हल नहीं निकला। उनके एम.डी. श्री जगदीश खट्टर ने कहा "€ that all the employees should sign a 'Good Conduct Undertaking' before entering the factory premises." मजदूरों के दिल में यह डर था कि छोटे-छोटे बहाने बनाकर उनको निकाला जा सकता है।

इसलिए मजदूर अंदर जाने के लिए डर रहे थे। अभी भी 91 लोगों को बाहर निकाला गया है। सरकार ने कहा है कि हम इसके बारे में कुछ करना चाहते हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार क्या करना चाहती है।

दूसरी बात, इसका डिसइन्वैस्टमेंट हो रहा है या नहीं, इसके बारे में सदन को जानकारी मिलनी चाहिए। (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी नोटिस दिया है।

MR. SPEAKER: You can also associate yourself with Shri Mohan Rawale.

श्री चन्द्रकांत खैरे : वहां के चार हजार वर्कर्स जो उद्योग भवन के पास बैठे हैं, मुलायम सिंह जी ने जो बताया, वह ठीक है कि ठंड लगने से उनको और तकलीफ होगी तो उसका कौन जिम्मेदार होगा। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि इसके डिसइन्वैस्टमेंट के बारे में क्या प्रपोज़ल है। डिसइन्वैस्टमेंट के बारे में जो प्रक्रिया मैनेजमेंट ने शुरू की है, वह गलत तरीके से की है। वहां चार हजार लोग बर्बाद होने वाले हैं। मारुति कार की अभी भी जनता में डिमांड है। क्या इस उद्योग को खत्म करने की कोई साजिश हो रही है, यह मैं जानना चाहता हूँ? उन्हें जल्दी से जल्दी न्याय देना चाहिए, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहता हूँ। (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, आदरणीय चन्द्र शेखर जी, मुलायम सिंह जी और सोमनाथ जी जैसे वरिष्ठ सदस्य जब विाय उठाते हैं (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : मैंने भी कहा है।

श्री प्रमोद महाजन : मैं तो समझा कि आपके लिए मैंने अलग मंत्री लाकर रखा है।

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : जयपाल जी ने भी कहा है।

श्री प्रमोद महाजन : जयपाल जी का नाम मैं भूल गया और आपका नाम तो मैं हर विाय के साथ ले सकता हूँ।

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : मैं जानता हूँ कि आप यही कहेंगे। मैंने कहा कि मंत्री जी को बुला कर, स्पीकर साहब के चैम्बर में बैठ कर आज ही फ़ैसला करना चाहिए। स्पीकर साहब ने मान लिया।

श्री प्रमोद महाजन : जहां तक आपका संबंध है, हर विाय में आप हैं, उसमें मुझे कोई दिक्कत नहीं है।

â€¦(व्यवधान)सुरेश जादव जी, मोहन रावले जी भी हैं। कल यह विषय शून्य काल में आ रहा था और आपने कहा था इसलिए भारी उद्योग मंत्री यहां आकर उत्तर देने के लिए बैठे थे। लेकिन कल वह किसी कारण नहीं आ सका।â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : वे कल आए थे।

श्री प्रमोद महाजन : कल वे आए थे लेकिन विषय नहीं आया था, आज विषय आया है और वे नहीं आए।â€¦(व्यवधान)आपने अभी कहा है कि आप उन्हें अपने चैम्बर में बुलाने वाले हैं तो मैं उनको तुरन्त यह संदेश देता हूँ और जो 5-7 वरिष्ठ सदस्य हैं, उनमें से जो चाहें, वे बैठें और इसका कोई न कोई रास्ता निकालने के लिए सरकार प्रयास करेगी।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Buta Singh.

SARDAR BUTA SINGH (JALORE): Mr. Speaker, Sir, in 1997â€¦ (Interruptions)

श्री थावरचन्द गेहलोत : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले सूचना दी है।

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बूटा सिंह जी, आप एक मिनट रुकिए। इन्होंने पहले नोटिस दिया है। आप इनके बाद बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

सरदार बूटा सिंह (जालौर) : मैंने भी नोटिस दिया है। I met you in the morning also. I gave the notice three days back...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आपको बुलाएंगे। इन्होंने पहले नोटिस दिया है।

सरदार बूटा सिंह : मैंने दिया है।

अध्यक्ष महोदय : वह मेरे पास नहीं है। आपको इनके बाद बुलाएंगे।

SARDAR BUTA SINGH (JALORE): This is not fair, Sir. You called me first. You must give me the chance...(Interruptions) आपने पहले मुझे बुलाया है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, बाद में बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUSHIL KUMAR SHINDE (SOLAPUR): Sir, we have given a Calling Attention notice. A Private Member's Bill was also there. That also was not...(Interruptions)

MR. SPEAKER: The House is now taking up 'Zero Hour', not the Calling Attention.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: The Members who have given notices can speak. आपका नोटिस नहीं है फिर भी आपको बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

(Interruptions) *

* Not recorded.

1220 hours

(At this stage, Shri Sushil Kumar Shinde, Kunwar Akhilesh Singh, Shri Ramdas Athawale and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.)

DR. MANDA JAGANNATH (NAGAR KURNOOL): Sir, this is an important issue. Please allow us. ...(Interruptions)

1220 1/2 hours

*(At this stage, Shri Rajaiah Malyala and some other hon. Members came
and stood on the floor near the Table.)*

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

अध्यक्ष महोदय : जीरो ऑवर में एक प्रोसीजर होता है, इस तरह वेल में आना ठीक नहीं है। आप अपनी सीट्स पर जाएं, मैं आपको बुलाऊंगा।

⌚ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : पहले आप सुनिए, बूटा सिंह जी का हमारे पास नोटिस नहीं है, फिर भी हम उनको मौका देंगे।

⌚ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लगता है आपका मैटर पर कोई इंटरैस्ट नहीं है। मैंने कहा है कि बूटा सिंह जी को बुलाऊंगा, पहले कैसे बुला सकता हूं। उसके लिए नोटिस देना होता है और इनका कोई नोटिस नहीं है।

⌚ (व्यवधान)

1222 hours

*(At this stage, Shri Sushil Kumar Shinde, Kunwar Akhilesh Singh, Shri Ramdas Athawale and some other hon. Members
went back to their seats.)*

1222 ½ hrs

*(At this stage, Shri Rajaiah Malyala and some other hon. Members
went back to their seats.)*

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shri Thawar Chand Gehlot.

*(Interruptions)**

अध्यक्ष महोदय : बूटा सिंह जी आप सीनियर मेम्बर हैं, आपको प्रोसीजर के बारे में सब मालूम है। आपको थावर चंद गेहलोत जी के बाद मौका देंगे, जबकि आपका नोटिस इसमें नहीं है। इसलिए मैंने पहले उनको बोलने के लिए कहा है।